









# आतंकवाद कर्त्ता बर्दाश्त नहीं

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद, अलगाववाद व उग्राद की चुनौती से सख्ती से निपटने के उद्देश्यों पर अंडिंग रहने का आह्वान करते हुए कहा, भारत आतंकवाद कर्तई बर्दाश्त नहीं करेगा। वह बीजिंग में शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में नृशंस आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने इन तीनों चुनौतियों के अवसर साथ आने की बात भी की। आतंकियों, प्रायोजकों, आयोजकों व वित्त पोषकों को जवाबदेह बनाने तथा न्याय के कठघरे में लाने की ज़रूरत पर भी बल दिया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बल दिया कि अशांत और बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के मद्देनजर संगठन को कुशलतापूर्वक कार्य करना होगा। शी ने क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता की रक्षा व सदस्य देशों के विकास की बात भी की। इस सम्मेलन में दस अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के अतिरिक्त बीस से ज्यादा देशों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है जिनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रूसी राष्ट्रपति ल्वादीमिर पुतिन के भाग लेने की भी चर्चा थी। मोदी इसमें शामिल होते हीं तो इसे गलवान गतिरोध के बाद भारत-चीन संबंधों में संभावित परस्परता, संबंधों में सुधार व कूटनीतिक नरमी के संकेत के रूप में लिया जा सकता है। 2023 में मोदी ने इस सम्मेलन में वर्चुली शिरकत की थी जबकि वीते वर्ष उनकी अनुपस्थिति को घटते सामरिक महत्व से जोड़ कर देखा गया। हालांकि रूस कभी नहीं चाहता कि ऐसा कोई भी संगठन चीन के प्रभुत्व वाला मंव बन जाए। इसमें पाकिस्तानी, रूसी व ईरानी विदेश मंत्री के भी शामिल होने की संभावनाएं हैं। यह भारत, चीन, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बैकिस्तान, ईरान व बेलारूस का प्रभावशाली आर्थिक व सुरक्षा समूह है। अमेरिका से सीधा दो-दो हाथ करने वाले शी ने परोक्ष रूप से उस पर कटाक्ष करते हुए बहुधुवीय वि को बढ़ावा देने व उसकी धौंस का विसरेध करने के लिए संयुक्त प्रयासों का भी आह्वान किया। बेशक, भू-राजनीतिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों को देखते हुए रूस व चीन दुनिया के समक्ष अपनी ताकत का मुजाहिरा करने को बेताब हैं।



प्रियका सारभू

हरियाली तीज केवल श्रृंगार, झूला और  
व्रत का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय स्त्री के  
आत्मबल, प्रेम और प्रकृति से जुड़ाव का  
प्रतीक है। आधुनिकता की दौड़ में यह  
त्योहार भले ही प्रदर्शन का माध्यम बनता जा  
रहा हो, पर इसकी आत्मा अब भी स्त्री के  
मन, पर्यावरण और लोकसंस्कृति में जीवित  
है। यह पर्व रिश्तों में स्थायित्व, समाज में  
समरसता और जीवन में हरियाली लाने का  
संदेश देता है। आवश्यकता है इसे सादगी,  
सापूर्तिकता और संवेदना के साथ फिर से  
जीने की, ताकि परंपरा आधुनिकता के संग  
आगे बढ़े। हरियाली तीज का नाम लेते ही  
आँखों के सामने एक चित्र उभरता है—हरा  
चूरंग औढ़े खेत, बारिश की बृंदों से भीगी  
धरती, झूलती बालाएं, मेहदी रचे हाथ और  
लोकगीतों की सुमधुर धूंजा। पर यह चित्र  
अब केवल स्मृति में रह गया है, क्योंकि  
आधुनिकता की तेज रफतार ने परंपराओं के  
रंगों को हल्का कर दिया है। फिर भी हरियाली  
तीज आज भी भारतीय स्त्रियों के मन में  
गहरे तक रची-बसी है। यह पर्व आज केवल  
धार्मिक या पारंपरिक नहीं, बल्कि सामाजिक,  
मानसिक और सांस्कृतिक संदर्भों में भी  
विशेष महत्व रखता है। हरियाली तीज वर्षा  
ऋतु में मनाया जाने वाला एक प्रमुख पर्व  
है, जो शिव-पार्वती के पुनर्मिलन की स्मृति

में विवाहित महिलाओं द्वारा मनया जाता है। यह श्रावण मास की शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है, जब आसमान बादलों से भर जाता है और धरती पर हरियाली बिछ जाती है। हरियाली तीज का मूल भाव प्रेम, समर्पण, सौदर्य और प्रकृति के साथ तादात्म्य का है। पहले जहां इस पर्व के गाँवों और कस्बों में सामृद्धिक रूप से खुले वातावरण में मनाया जाता था, वहीं आज शहरी अपार्टमेंटों, वातानुकूलित हॉलों और सोशल मीडिया की चम्पक में इसकी आत्मकर्हीं खोती जा रही है। प्रश्न यह नहीं है कि पर्व मनाया जा रहा है या नहीं, प्रश्न यह है कि हम किस भाव से उसे निभा रहे हैं। पहले यह त्योहार स्त्रियों को सालभर की व्यस्तता और परिश्रम से थोड़ी राहत देने वाला उनके भावनात्मक संसार को सहेजने वाला एक सहज अवसर होता था। स्त्रियाँ बिन किसी दिखावे के, प्राकृतिक परिवेश में एक दूसरे से मिलती थीं, अपने सुख-दुख साझा करती थीं, लोकीरीतों में अपने अनुभवों के पिरोती थीं। लेकिन अब यह पर्व कर्हीं-कर्हीं 'सर्वश्रेष्ठ श्रृंगार प्रतियोगिता', 'तीज क्वीन' और 'सेल्फी विद स्विंग' जैसे आयोजनों में तब्दील हो गया है, जहां संवेदना की जगह प्रतियोगिता ने ले ली है। हरियाली तीज स्त्री मन के उस पक्ष को उजागर करता है जो प्रेम, प्रतीक्षा और पारिवारिक समर्पण से जुड़ा होता है। आज के दौर में जब रिश्ते त्वरित संवाद और क्षणिक भावनाओं में बदलते जा रहे हैं, तब यह पर्व स्थायित्व, आस्था और धैर्य का संदेश देता है। यह पर्व यह भी सिखाता है कि संबंधों को केवल अधिकारियों से नहीं, कर्तव्य और भावना से निभाया जाता है। पति की दीर्घियु के लिए व्रत रखना हो या शिव-पार्वती जैसे दांपत्य संबंधों की कल्पना, इन सबमें एक ऐसा भाव छिपा है जो स्त्री को त्याग का नहीं, बल्कि आत्मबल का प्रतीक बनाता है। आधुनिक संदर्भ में देखें तो यह पर्व कई नए अर्थों को जन्म देता है। जहां पहले तीज केवल विवाहित स्त्रियों

तक सीमित थी, अब कई स्थानों पर इन अविवाहित लड़कियाँ भी आत्मिक अनुभुव और सामूहिक संस्कृति के रूप में मन लगा हैं। कार्यरत महिलाओं के लिए यह प्रत्येक अपने अस्तित्व और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ने का एक माध्यम बनता जा रहा है। वहीं महिलाएं, जो दिनभर कार्यालयों के बाहर के स्तरीय के समान बैठी रहती हैं, तीज के अवसर पर झूला झूलते हुए कुप्रतिकृति के साथ जुड़ जाती हैं। यह जुड़ाव आज की मानसिक थकान और तनाव के दौर में एक भावनात्मक उपचार जैसा है। परंतु आधुनिकता की यह यात्रा केवल सकारात्मक बदलाव नहीं लाती। तीज के अवसर पर झूला झूलते हुए कुप्रतिकृति करना पड़ता है कि उसकी फोटो सबसे सुंदर दिखें। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर #TeejLook, #GreenDressChallenge और #TeejVibes जैसे ट्रेंड त्योहार का गलैमर से तो भरते हैं, परंतु उसकी आत्मविश्वास खोखला भी करते हैं। त्योहार अब मन और खुशी से ज्यादा दिखावे की होड़ में शामिल हो गया है। यही कारण है कि त्योहार बीते के बाद भी मन संतुष्ट नहीं होता, क्योंकि वह जुड़ाव, वह सामूहिकता, वह आत्मीयता अब केवल तस्वीरों में सीमित रह जाती है। हरियाली तीज की सबसे सुंदर बात यह है कि यह पर्व हमें प्रकृति के करीब ले जाता है। खेतों में लगे झूले, पेड़ों पर टंगे कागज के फूल, मिट्टी से बने शिव-पार्वती स्वरूप — ये सब हमें याद दिलाते थे। हम प्रकृति के ही अंश हैं। आज जब हम जलवाया परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, पेड़ों का कटाई और प्रदूषण जैसे संकटों से जूँड़ रहे हैं, तब तीज जैसे पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण की चेतना दे सकते हैं। अगर हर तीज एक पेड़ लगाने की परंपरा शुरू की जाए तो बच्चों को झूला झूलाने के साथ-साथ पेड़ से प्रेम करना सिखाया जाए, तो यह प्रत्येक केवल धार्मिक नहीं, पर्यावरणीय और दूसरी जीवों के लिए भी बहुत अचूक बन सकता है।



## हृदयनारायण दीक्षित

सोम चन्द्रमा के पर्याय हैं। वे विराट ब्रह्माण्ड का मन हैं। जैसे चन्द्र कलाएं घटती बढ़ती हैं, वैसी ही हमारे मन की चंचलता है। सोम संसारी देवता हैं। ओम सूक्ष्मतम् विराट का एकात्म नाद। परम ध्वनि। अस्तित्व सूक्ष्मतम् से भी सूक्ष्म है और विराट से भी विराट। अन्तर्यामा स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा है। पत्ती, पुष्प से पेड़ और पेड़ से जड़ की यात्रा सुगम है। जड़ें देखते ही बीज का ध्यान आता है। बीज के भीतर अनंत संभावनाएं होती हैं। पेड़, शाखा, पत्तियां और फूल। फिर-फिर बीज। ओम प्राण शक्ति है और सोमाम् बीज का पल्लवन पुष्टन्। ऋग्वेद के सोम कम लोगों को याद हैं लेकिन सोमवार हर सातवें दिन उन्हीं की स्मृति दिलाता है। सोम से ओम की यात्रा शिव है। यहां कोई भैग्योलिक दूरी नहीं। सोम और ओम साथ-साथ हैं। सोम शिव के ललाट पर हैं।

हा। शब का साम चन्द्र प्रताक बड़ा प्यारा है। ऋग्वेद में साम को पृथ्वी का निवासी बताया गया है। सोम असाधारण देवता है। आनन्ददाता भी हैं। ऋग्वेद में रुद्र शिव 'सुमार्थं पुष्टिवर्द्धनं' है। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त मस्त बिदास देवता हैं। परम योगी। नट-राज। श्रीकृष्ण की बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो शिव के डमरु की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रुद्र हो जाते हैं। प्रलयंकर हो जाते हैं लेकिन यही रुद्र शिव भी है। ऋग्वेद में "जो रुद्र है, वही शिव भी है।" शिव महाकाल है। त्रिशूल उनका हथियार। तीन शूल दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट हैं। भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुखहरी हैं-त्रिशूल धारक जो हैं। संचने से मन नहीं भरता। मैं तनाव की स्थिति में यजुर्वेद के शिव संकल्प सूक्त दोहराता हूं—“हमारा मन भागता है। यहां वहां। ऐसा हमारा मन शिव संकल्प से भरापूर हो—तन्मे मनः शिव संकल्पं अस्तु।” मंच, माला, माइक का त्रिशूल मेरे भीतर है। सोम सामने है, भीतर ओम है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम् की अनुभूति नहाह। करूं ता क्या करूं? ऋग्वेद व ऋषिवशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था तर्यम्बक रुद्र को-हमें पवक ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक करो। सावन का माह भारत में शिव उपासना की मंगल मुहर्त है। शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सूजन शक्ति है। सूजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीपि है। ऋग्वेद व ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं व वनस्पतियों औषधियों उगती खिलती हैं खिलखिलाती हैं। भारती सप्ताह में पहला दिन रविवार रर्षा का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का शिवभक्तों को सोमवार प्रीतिकर है काशी बहुत जाता हूं। काशी मर्तिवर्म में शिव उपासना की मूर्ति है। शिव दर्शन कई बार हुआ। लेकिन सावन में मैं मैंने समूची काशी को सोम शिव पाया। हर-हर महादेव की गंगा जलोंका लोक उल्लास। सत्य, शिव और सुंदर की त्रयी में सत्य परम है सत्य शिव है। सत्य और शिव व एकात्म सुंदर होता है। शिव में तीन त्रयी हैं। शिव और लोकमंगल पर्यायवाच त्रयी हैं। अस्तिकों के लिए यह ऊज सहज प्राप्य नहीं है। शिव के प्राप्त लोक आस्था विस्मयकारी है। शिव प्राप्ति के प्रयास जरूरी है। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महात

करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने भड़काया "पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गईं। आपका सुंदर हाथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?" शिव शंकर के रूप-करूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा "संसार के सारे रूप शिव के ही हैं-विश्वकूर्त्तिवाधार्यते वपु।" शिव ही सभी रूपों में रूप रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले "अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती-तवस्मि दासः।" मन करता है कि पूँछ शिव से-महादेव! इतना कठोर तप क्यों करते हैं? लेकिन शिव तप प्रभाव में स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं। भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्बाद से भरापूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकर्ता। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न पूछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है। लेकिन शिव सब जानते थे। वे सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कण्ठ में विष है। वे नीलकंठ

। गल म साप भा ह लाकन चन्द्रमा  
शिव का प्रिय आभूषण है। शरद चन्द्र  
मनि पूर्णिमा सोम की ही वर्षा करती  
। शिव ने सनत कुमारों को बताया  
कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दायां नेत्र  
। और बायां चन्द्रमा अपन मध्य  
नेत्र हैं। शिव अजन्मा हैं। उनका न  
नन्म हुआ और न ही मृत्यु। वे अजर  
मम भोले शंकर हैं, औघड़ानी  
। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के  
नाथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। वे रुद्र  
राव एशिया के बड़े भूभाग में प्राचीन  
लाल से ही उपसित हैं। शिव गूढ़  
हस्य है। युधिष्ठिर के मन में शिव  
ज्ञानासा थी। भीष्म से उन्होंने तमाम  
शन पूछे थे।

वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना  
वाहते थे। भीष्म ने कहा, “शिवगुणों  
न वर्णन करने में मैं असमर्थ हूँ।  
। सर्वत्र व्यापक हैं। श्रीकृष्ण के  
भलावा उनका तत्व दूसरा कोई  
ही होहिं जानता। फिर अर्जुन से कहा,  
रुद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण  
। जगत् को व्याप्त किया है।”

। वहां श्रीकृष्ण के विराट का कारण  
ही शिव तत्व का बोध है। देवों  
न देव महादेव नमस्कारों के योग्य  
। पौराणिक शिव बड़े आकर्षक  
। बैल की सवारी और पार्वती से  
पतरस। ‘विज्ञान भैरवतंत्र’ में शिव  
मौर पार्वती के मध्य गहन दाशनिक

# एको रूद्र द्वितीयो नास्ति

# आखिर कब समझेंगे हम प्रकृति की मूक भाषा?

## विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस (28 जुलाई) पर विशेष

### पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के

अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय

के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्यावरण का संतुलन डगमाणों के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फँस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है। प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुह तकरे रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकंप जैसी प्राकृतिक अपदाओं

साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थेड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं। इस छोटी-सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पेट्रोल, डीजल जैसे धरती पर इंधन के सीमित स्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं। हमारे क्रियाकलापों के चलते ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रूषित तत्वों की मौजूदी के कारण सांस की बीमारियों

A close-up photograph of a person's hand, palm facing forward, pointing its index finger towards the right side of the page where the text is located. The background is a blurred outdoor scene with green grass and a blue sky.

एण में बीमारी मुक्त जीवन जीएं। अपनी इस सौच को बदलना चाहिए। यदि सामने वाला व्यक्ति कुछ रहा तो मैं ही क्यों करूँ? अपनी श्रेष्ठी पहल से हम सब मिलकर संरक्षण के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हम प्रयास कर सकते हैं कि निक क्रियाकलापों से हानिकारक डाई ऑक्साइड जैसी गैसों का एण में उत्सर्जन कम से कम हो जाए। यही नी की बचत के तरीके अपनाते परीनी पानी का उपयोग भी हम अपनी आवश्यकतानुसार ही ही हाहां तक संभव हो, वर्षा के जल बदलने के प्रबंध करें। प्लास्टिक बैलों को अल्विदा कहते हुए या जूट के बने थैलों के उपयोग बढ़ावा दें। बिजली बचाकर ऊर्जा में अपना अमूल्य योगदान दें। फिर डिजिटल युग में तमाम बिलों नलाइन भुगतान की ही व्यवस्था कर कागज की बचत की जा सके। नगाज बनाने के लिए वृक्षों पर कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में कीकरण और औद्योगिकीकरण ते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर लावाड़ी हो रहा है, उसके मद्देनजर न को पर्यावरण संरक्षण के लिए करने की जरूरत अब कई दूर ही है।



प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कच्छहारा रोड, मोतहारा, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतहारा से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज\* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (\*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070



## हमारी कुटैशी की फिल्म बयान पहुंची टोटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव



फिल्म अमिनेत्री हुमा कुरैशी की थिलर फिल्म बयान को आधिकारिक तौर पर प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2025 के लिए चुना गया है। हुमा कुरैशी ने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) में अपनी फिल्म के घयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि फिल्म बयान ने उन्हें एक संशक्त महिला किरदार निभाने का मौका दिया, जो ज्याय व्यवस्था में बड़ी ताकतों के खिलाफ खड़ी होती है। हुमा ने ऐसी कहानी को पेश करने वाली समर्पित और निर्दर्श टीम के साथ काम करने की खुशी भी जताई।

## बनाया ये रिकॉर्ड

कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं पर काम कर चुकी हुमा ने कहा कि फिल्म का विश्व प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2025 के दिसंबरी सेवान में होगा—ये ऐसा सेवान है जिसने जो क्रिस्टोफर नोलन, अल्फोन्सो कवारोन और बैरी जेनकिंस जैसे प्रतिष्ठित फिल्म निर्माताओं को दुनिया के सामने पेश किया। फिल्म एक रोमांच से भरी थिलर है। फिल्म निर्देशक विकास दंजन मिश्रा ने कहा, यह एक

परिवर्तनशील समाज का साक्षी  
बनने का मेरा प्रयास है - और  
उन लोगों के लांत साहस का भी  
जो अपनी बात कहने का विकल्प  
चुनते हैं। टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय  
फिल्म महोत्सव के डिस्कवरी  
सेक्शन में मेरी दूसरी फीचर  
फिल्म, बयान दिखाई जाएगी।  
ये मेरे लिए सम्मान की बात है।  
यह एक ऐसा मंच है जहां से कझ  
फिल्ममेकर्स ने अपना सफर  
शुरू किया। निर्माता ने कहा,  
हमारा ट्रूढ़ विश्वास है कि इसमें  
एक ग्लोबल अपील है, और

टीआईएफएफ इसके लिए एक आदर्श लॉन्चपैड है। एक निर्माता के रूप में, मैं हमेशा एक ऐसी पटकथा की तलाश में रहता हूं जो इससे जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के लिए बेहतरीन हो। बयान ने वही किया; मुझे पता था कि हमारे पास कुछ शक्तिशाली है। विकास दंजन मिश्रा के निर्देशन से सजी, बयान इस श्रेणी में शामिल एकमात्र भारतीय फिल्म है। कलाकारों में अनुभवी अभिनेता चंद्रपूर्ण सिंह और सचिन खेडेकर के साथ-साथ परितोष सैड, अविजित दत्त, विमोर मर्यादा, संपा मंडल, स्वाति दास, अदिति कंचन सिंह और पैरी छाबड़ा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं।

ਪਰਪਥੂਮ ਲਗਾਤੇ ਸਮਾਂ ਨ  
ਕਾਈ ਦੇ ਗਲਤਿਆਂ, ਬਿਗਡ  
ਸਕਤਾ ਹੈ ਪ੍ਰਾਣ ਲੁਕ

परपर्यूम सिर्फ एक खुशबू नहीं, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व को भी दर्शाता है। सही तरीके से परपर्यूम लगाना बहुत जरूरी है ताकि आप दिनभर तरोताजा महसूस करें और आपकी खुशबू भी बरकरार रहे। हालांकि, कई लोग परपर्यूम लगाते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जिनसे उन्हें सही फायदा नहीं मिल पाता है। इस लेख में हम कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में जानेंगे, जिनसे आपको बचाना चाहिए ताकि आप परपर्यूम का सही इस्तेमाल कर सकें। कई लोग अपने परपर्यूम को सीधे धूप में रखते हैं, जिससे उसकी गुणवत्ता खराब हो सकती है। धूप और गर्मी से परपर्यूम के तत्त्व बिगड़ जाते हैं और उसकी खुशबू बदल जाती है। इसलिए इसे हमेशा ठंडी, सूखी एवं अधेरी जगह पर रखें। इससे आपका परपर्यूम लंबे समय तक सही बना रहेगा और उसकी खुशबू भी बरकरार रहेगी, जिससे आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे। कपड़ों पर परपर्यूम छिड़कना एक आम गलती है, जिसे कई लोग करते हैं। कपड़ों पर परपर्यूम छिड़कने से वह जल्दी ही धूल-मिट्टी और अन्य तत्वों से गोंदा जाते हैं और उनकी खुशबू भी खारब हो जाती है। इसके अलावा कपड़ों पर परपर्यूम के दाग भी पड़ सकते हैं। इसलिए हमेशा परपर्यूम को सीधे अपनी त्वापर ही लगाएं ताकि उसकी खुशबू लंबे समय तक बनी रहे और आपको किसी तरह की परेशानी न हो। ज्यादा परपर्यूम लगाना भी एक बड़ी गलती ही सकती है। कई लोग सोचते हैं कि ज्यादा परपर्यूम लगाने से उनकी खुशबू ज्यादा देर तक रहेगी, लेकिन ऐसा नहीं होता। ज्यादा परपर्यूम लगाने से कभी-कभी सिरदर्द या एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए हमेशा जरूरत भर ही परपर्यूम लगाएं ताकि आपको किसी तरह की परेशानी न हो और आपकी खुशबू भी बनी रहे। सही मात्रा में परपर्यूम लगाने से आप तरोताजा महसूस करेंगे। परपर्यूम छिड़कते समय दूरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। अगर आप बहुत करीब से परपर्यूम छिड़कते हैं तो यह आपकी त्वापर में सामा जाता है और उसकी खुशबू जल्दी खत्म हो जाती है। इसलिए हमेशा थोड़ी दूरी बनाकर परपर्यूम छिड़के ताकि उसकी खुशबू लंबे समय तक बनी रहे। इसके लिए लगभग 6-8 इंच की दूरी बनाकर परपर्यूम छिड़कना सबसे अच्छा तरीका होता है।



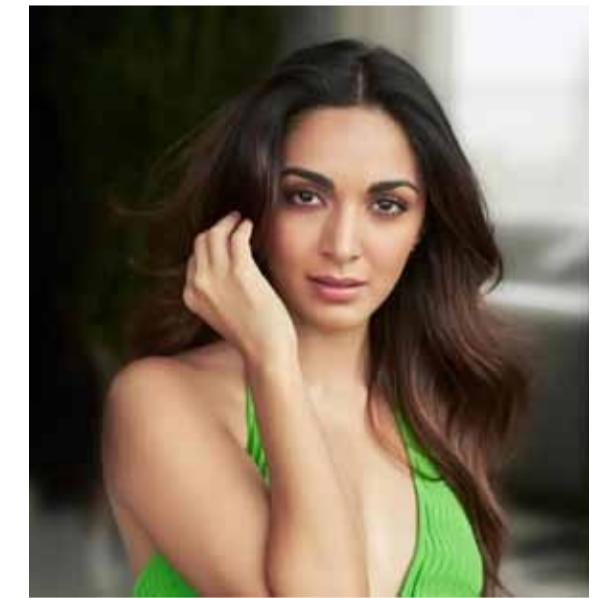
# साइको सङ्घर्ष का मेरे करियर में बड़ा योगदान : धनि भानुशाली

सिंगर धनि भानुशाली के सान्ग 'साइको सइयां' को इलीज हुए छह साल पूरे हो चुके हैं। धनि ने 'साहो के गाने से जुड़ी अपनी यादें ताजी की और बताया कि यह उनके काइयर में खास महत्व रखता है। धनि भानुशाली ने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने खास तरीके से प्रैक्टिस की थी और तेलुगू, तमिल के साथ मलयालम में हर शब्द को सावधानी से उच्चारण करना सीखा। धनि ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'साइको सइयां' पर डांस करती नजर आई। यह गाना साल 2019 में इलीज हुई एक्शन थिलेर फिल्म 'साहो' का है, जिसमें प्रभास, श्रद्धा कपूर, धंकी पांडे, जैकी शॉफ, अरुण विजय और नील नितिन मुकेश जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुजीत ने किया था। धनि ने कैशन में लिखा, आज 'साइको सइयां सॉन्ग' के छह साल पूरे हो चुके हैं। मुझे आज भी याद है, जब यह सब शुरू हुआ था। मैंने 'वास्ते गाना' इलीज किया था और गोवा में दोस्तों के साथ थी, तभी मुझे फोन आया कि 'साइको सइयां' को तीन और भाषाओं, तेलुगू, तमिल और मलयालम में गाना है। उन्होंने बताया कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी नर्वस भी थी, लेकिन उनकी टीम ने उनका हौसला बढ़ाया। इस गाने के लिए धनि ने संगीतकार अनिलद्दु रविंगंदर के साथ काम किया और हर भाषा में शब्दों का सही उच्चारण सीखा। शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात प्रभास और श्रद्धा कपूर से हुई। धनि ने बताया, कई लोगों ने मुझसे कहा कि मैरी आवाज श्रद्धा के लिए एकदम सही थी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। धनि ने इस गाने को काइयर का पहला बड़ा कदम बताया, जिसने उन्हें नई ऊचाइयों तक पहुंचाया और प्रशंसकों के करीब लाया। उन्होंने गायक संघेत टंडन के साथ मिलकर बनाए इस गाने को प्यार देने के लिए फैस का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, जब मैं अपने शोज में या सोशल मीडिया पर फैस को इस गाने पर गाते-नाहते देखती हूं, तो मुझे संगीत की ताकत का गहराया होता है।



वॉर 2 के ट्रेलर में सेना की वर्दी पहने दिखीं  
कियारा आडवाणी, किरदार से उठा पर्दा

ऋतिक दोशान की फिल्म वॉर 2 का दर्शक बेसी से डंतजार कर रहे हैं। इसमें उनकी जोड़ी कियारा आडवाणी के साथ बनी है, वही जूनियर एन्टीआर इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। वॉर 2 का घासोंकर ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें ऋतिक और एन्टीआर का घास अंतराल दिखा रहा है। उपर ट्रेलर के एक दृश्य में कियारा सेन की वर्दी पहने नजर आ रही है। इसी के साथ उनके कियटार से पर्दा उठ गया है। जहां एक ओर कियारा फिल्म में ऋतिक के साथ इक्षक फरमाती नजर आएंगी, वही दूसरी तरफ उनके एक्शन करने की भी गौवा निला है। कियारा वॉर 2 में कावाया लूटधारा की भूमिका निभा रही है, जो दो की संयुक्त साथिय और कर्नल सुनील लूटधारा की बेटी है। फिल्म में सुनील लूटधारा का कियटार आशुतोष राणा निभा रहे हैं। अयान मुख्यर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म वॉर 2 को 14 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। यशराज फिल्म्स ने दर्शकों को एक नया सिनेमाहृ अब्जुल टोने के लिए डॉल्लर लैवेरेटीज एस हाय मिलाया है। वॉर 2 दुनियावाल के कई दोस्तों ने डॉल्लर सिनेमा स्टीवन पट रिलीज होने वाली एकमत्र भारतीय पिल्लम होगी। इसके अलावा इस फिल्म का डिटी और तेलुगु भाषा में उत्तरी अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, क्यूरेंट और द्विनियामर के कई अन्य बाजारों में डॉल्लर सिनेमा साइटों पर दिलीज करने की योजना भी बनाई गई है। वॉर 2 के निर्देशक अयान मुख्यर्जी हैं। इस पिल्लम के जरिए एन्टीआर बॉलीवुड में कठगम रख रहे हैं। यह उनकी पहली हिटी फिल्म होगी। ऐसे में फिल्म को लेकर उसाहित साथ के दर्शक भी खी खूब हैं। फिल्म ने ऋतिक एक बार फिर जहां गेंगर कबीर धालीलाल बवकर धमाल मधाराएँ और दुर्मन के छक्के छुड़ाएंगे, वही एन्टीआर के कियटार का नाम बिक्रम है, जो इस फिल्म का विलेन है।



ਹਾਂ ਹਰ ਵੀਂ ਮਲ਼ੂ ਬੱਕਸ ਑ਫਿਸ ਕਲੇਕਿਅਨ ਦੇ 2: ਦੂਜੇ  
ਦਿਨ ਘਾਤਮਾ ਹੁੰਦੇ ਫਿਲਮ, 70 ਫੀਟਾਂ ਦੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਗਿਣੀ ਕਮਾਈ

पवन कल्याण और बॉली देओल स्टारर फिल्म हरि हर वीरा मल्लू पार्ट 1- एर्वर्ड वर्सेंज एपिट ने ओपनिंग डे पर छप्परफाट कमाई करने 2025 की दूसरी बिंगेट ओपनर फिल्म बन गई। साल 2025 में सबसे बड़ी ओपनिंग रात चरण के पालौं पिल्लम गेम घेंगे (51 करोड़ रुपये) ने ली थी। हरि हर वीरा मल्लू ने अब आपनी रिलीज के दो फिल्म पूरे कर लिए हैं। हिंदी फिल्म सेयारा की आधी की बीच पवन कल्याण की फिल्म ने 44 करोड़ रुपये से ओपनिंग की थी। अब फिल्म को बड़ा धरका पहुंचा है। कमाई की कमाई में दूसरे दिन बड़ी गिरावट दर्ज कर्द गई है। आइए जानते हैं फिल्म ने दूसरे दिन कितनी कमाई की है। सैक्रिनिल्ट के अनुसार, हरि हर वीरा मल्लू ने दूसरे दिन 8.79 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी के साथ फिल्म का कुल कलेक्शन 56.41 करोड़ रुपये हो गया है। यहां पिल्लम ने दो दिनों में घेरेलू बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर दिया है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि फिल्म अपने चार दिनों के पहले वीकेंड में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा जल्द पार कर देगी। फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो यह फिल्म 75 करोड़ रुपये हो चुका है। हरि हर वीरा मल्लू की कमाई का गिरावट नेकर्स के लिए चिंता खड़ी करता है। फिल्म को हिट होने के लिए 300 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन करना पड़ेगा, योकि फिल्म का बजट 300 करोड़ रुपये है। हरि हर वीरा मल्लू एक पीरीटरड ड्रामा फिल्म है, जिसमें पवन कल्याण लीड रोल में हैं और बॉली देओल बौतर विलेन और एंगजेस के रोल में दिख रहे हैं। फिल्म 17वीं शताब्दी के आसपास की है। फिल्म निधि अवामाल फीनेल लीड है। फिल्म का निर्देशन कृष्ण जगरालानुग्रही और ज्योति कृष्णा ने किया है। फिल्म में ऑप्टिक्स विनिर्माण न्यूजिक



## अंजलि अरोडा ने गोवा में समंदर किनारे दिखाई बोल्ड अदाएं



एकट्रेस अंजलि अरोड़ा हाल ही में म्यूजिक वीडियो टिल पे चलाई छुटिया में नजर आई थीं। इस म्यूजिक वीडियो में उनके साथ सोशल मीडिया सेंसेशन राजू कलाकार और कुछ सोशल मीडिया इनप्लायर्स नजर आए थे। अंजलि अरोड़ा का ये म्यूजिक वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है। इसके बीच उन्होंने गोवा में समंदर किनारे जमकर एंगॉय किया है और फोटोशूट करवाया है। फोटोशूट के दौरान अंजलि अरोड़ा का सिजलिंग अंदाज देखने को मिला है। उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और उन पर फैस फिटा हो रहे हैं। अंजलि अरोड़ा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काफी पर्फिट रहती है। अंजलि अरोड़ा आए दिन अपने से जुड़े फोटोज और वीडियोज तमाम घाहने वाले फैस को दिखाती रहती हैं। अंजलि अरोड़ा ने अब गोवा में समंदर किनारे अपना बोल्ड अंदाज दिखाकर फैस को मदहोश कर दिया है। अंजलि अरोड़ा की एक-एक तस्वीर फैस का ध्यान खींच रही है। अंजलि अरोड़ा ऑफ शोल्डर टॉप और डेनिम शॉट्स पहन रखा था। इस तरह से अंजलि अरोड़ा ने एक बार फिर अपना कर्वी फिगर पलाँट करने का मौका नहीं छोड़ा। अंजलि अरोड़ा के खुले गाल उनकी खूबसूरती में घाट घाट लगा रहे थे। अंजलि अरोड़ा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उन पर लोग कमेंट कर रहे हैं। अंजलि अरोड़ा ने कैप्शन लिखा है, तुम हो तो सब अच्छा है। अंजलि अरोड़ा को लेकर एक यूजर ने लिखा है, तुम भी एक मूर्ती बना लो, एक यूजर ने लिखा है, क्या अदाए हैं? अंजलि अरोड़ा के लिए ये पहला मौका नहीं जब उन्होंने अपना ग्लैमरस अवतार दिखाया है। अंजलि अरोड़ा को कई बार हृद से ज्यादा बोल्डनेस दिखाने पर ट्रोल भी किया जाता है। अंजलि अरोड़ा म्यूजिक वीडियो काचा बाटाम से काफी ज्यादा पॉपुलर हो गई थीं। बॉलीवुड एकट्रेस कंगना रनौत के दियलिटी शो लॉकअप में अंजलि अरोड़ा नजर आ चुकी है।

## Who is Om Prakash Sahu? Whose inspiring story was narrated by PM Modi

New Delhi, In the 124th edition of his monthly radio program 'Mann Ki Baat', Prime Minister Narendra Modi shared the inspirational story of Om Prakash Sahu, a youth from Gumla district of Jharkhand. He told how Om Prakash not only changed his life by leaving the path of Naxalism and taking up fish farming, but also brought a new wave of change in his area. PM Modi said, My dear countrymen, sometimes the most light comes from where there is the most darkness. One such example is Gumla district of Jharkhand. There was a time when this area was known for Maoist violence. The villages of Basia block were becoming deserted. People were living in the shadow of fear. There was no possibility of employment, lands were



lying vacant and the youth were migrating. But then, quietly and with a lot of patience, a change began. A young man named Om Prakash Sahu left the path of violence and started fish farming. Then he inspired many friends like him to

do the same. His efforts also had an effect. People who used to hold guns earlier have now taken up fishing nets. PM Modi said that Om Prakash's journey was not easy, but it was full of difficulties. PM said, Friends, Om Prakash Sahu's beginning was not easy. There were protests, threats were received, but his courage did not wane. When the 'Pradhan Mantri Matsya Sampada Yojana' started, he got new strength. He got training from the government and help in

building ponds. Soon the fisheries revolution started in Gumla. Today more than 150 families of Basia block have joined fish farming. There are many people who were once in the Naxalite organization, now they are living a life of respect in the village and giving employment to others. This journey of Gumla teaches us that if the path is right and there is faith in the mind, then the lamp of development can be lit even in the most difficult circumstances. PM said, those who earlier used to hold guns are now holding fishing nets. Om Prakash's story teaches that if there is right path and strong belief, change can be brought even in the most difficult situations. This transformation of Gumla shows the power of development.

## Stampede at Haridwar's Mansa Devi temple, PM Modi and President Murmu expressed grief

New Delhi, 6 devotees died in a stampede at Haridwar's Mansa Devi temple on Sunday, while many others are seriously injured. Police and medical teams are engaged in relief and rescue work at the spot. Prime Minister Narendra Modi and President Draupadi Murmu have expressed grief over this accident. The Prime Minister's Office (PMO) quoted Narendra Modi as saying on the social media platform X, "Deeply saddened by the loss of life and property in the stampede on the Mansa Devi temple road in Haridwar, Uttarakhand. Condolences to those who have lost their loved ones. May the injured recover soon.



The local administration is helping the affected people." President Draupadi Murmu also expressed grief over the accident and wrote on Twitter, "The news of the death of many devotees in the stampede on the way to the Mansa Devi temple in Haridwar is very painful. I express my deepest condolences to all the bereaved families.

I pray that all the injured devotees recover soon." Earlier, the Chief Minister of the state Pushkar Singh Dhami expressed grief over the accident and wrote on Twitter, "The news of the death of 6 people in the heart-wrenching accident on the Mansa Devi temple road in Haridwar is extremely sad. I pray to God to give the souls of the deceased a place

in his feet and give strength to the bereaved family to bear this immense sorrow." He further wrote, the state government will provide Rs 2 lakh each to the families of the deceased and Rs 50,000 each to the injured. Along with this, instructions have also been given for a magisterial inquiry into the incident. According to the information, a stampede has occurred in Haridwar's Mansa Devi temple due to heavy crowd. It is being told that there was chaos in the temple premises on Sunday amid heavy crowd. After pushing and shoving, they started falling on each other. This created a stampede like situation there.

## While playing, a 3-year-old child's head got stuck in a pot, after 2 hours of effort, his life was saved by cutting it with a cutter

Malkangiri, An incident has come to light from Malkangiri district of Odisha, which left a family breathless for some time. While playing in Korukonda village here, the head of a three-year-old child got badly stuck in a steel vessel (pot). When the head did not come out despite all the efforts of the family, the fire brigade team took charge and after a complicated operation of about two hours, the child was safely taken out by cutting the vessel with a cutter. The incident took place in Korukonda village, where a person named Pradeep Biswas bought a new steel utensil from the market on Saturday morning. His three-year-old son Tanmay started playing with the new utensil kept in the house. While playing, out of curiosity, he put his head inside



the utensil, but when he tried to take his head out, it got stuck in it. Hearing the child's crying, the family rushed and tried to take the child's head out of the pot themselves, but they failed. Seeing the child's pain increasing, the worried parents immediately took

him to the nearest Korukonda fire station. Seeing the seriousness of the matter, the personnel present there advised them to immediately go to the main fire station of the district headquarters Malkangiri. Upon reaching the Malkangiri main fire station, the firefighters immediately formed a special team. The team conducted a very challenging operation for about 2 hours while trying to keep the child calm. Finally, the child's head was safely taken out by carefully cutting the steel vessel with the help of a special cutter. It is a matter of relief that the child did not suffer any serious injury in this entire incident and he is completely safe. After the child came out safely, the family and villagers heaved a sigh of relief and praised the quick and efficient action of the fire brigade team. After this incident, fire brigade officials have appealed to parents to take extra care of small children when playing with any new items in the house, especially utensils, as such incidents can take a dangerous turn in a moment.

## Big change in ITR filing for content creators and influencers, now earnings will have to be shown under this new code

New Delhi, This tax season, there has been an important change in filing returns for social media content creators and influencers. The income of social media content creators and influencers has now been placed in a special category. The Income Tax Department has introduced a new code called '16021' under the Income Tax Return (ITR) Utilities for FY 2024-25 (Assessment Year 2025-26) for influencers who earn through promotions, product endorsements or digital content creation. This code can be accessed under the 'Profession' category in both ITR-3 and ITR-4 (Sugam). This makes compliance easier for creators, online coaches and bloggers. Now, influencers will have to choose either ITR-3 or ITR-4 (Sugam) depending on their level of income and option of presumptive



taxation. This is a simplified scheme, which allows professionals to declare a certain percentage of their receipts as income and avoid maintaining detailed books. According to experts, if an influencer is opting for presumptive taxation under section 44ADA, he should use ITR-4. This applies to professionals with gross receipts up to Rs 50 lakh and income up to Rs 75 lakh if their cash receipts are less than 5 per cent of gross receipts. He said

that for those earning from business income, Section 44AD allows a presumptive rate of 8 per cent (6 per cent for digital payments) on cash receipts up to Rs 2 to 3 crore, with tax on cash receipts less than 5 per cent. ITR-3 form is for individuals and Hindu Undivided Families having business or professional income (including remuneration received from partnership firm). Income from salary, residential property, capital gains and other sources can be declared under ITR-3. However, only individuals and HUFs with business and professional income will be eligible. If the income falls under ITR-1, ITR-2, or ITR-4 is for individuals, HUFs and partnership firms (resident in India) who opt for the presumptive taxation scheme under section 44AD, 44ADA or 44AE.

## Mann Ki Baat: PM said- After the success of Chandrayaan-3, children's interest in science increased, sought suggestions for 'National Space Day'

New Delhi, Prime Minister Narendra Modi on Sunday addressed the 124th episode of his monthly radio program 'Mann Ki Baat' and congratulated the countrymen on the achievements in the field of science, sports and culture. He said that in recent times, many such works have been done which every Indian should be proud of. Referring to the return of astronaut Shubhanshu Shukla, the Prime Minister said that his safe return to earth filled the whole country with happiness and pride. He said that after the success of Chandrayaan-3, children's interest in science has increased rapidly. Under the Inspire Standard Campaign, so far lakhs of children have been associated with innovation and this number has

doubled after the Chandrayaan-3 mission. Modi said that while the number of space start-ups in the country was less than 50 five years ago, now it has increased to more than 200. He said that 'National Space Day' will be celebrated on 23 August and appealed to the people to

send suggestions for this on the Namo app. The Prime Minister said that Indian students have brought glory to the country by winning many medals in the International Chemistry and Maths Olympiad. Next month, the Astronomy and Astrophysics Olympiad will be held in Mumbai, which will be the largest ever. Speaking on cultural heritage, Modi said that UNESCO has declared 12 Maratha forts as World Heritage Sites. These include 11 forts in Maharashtra and one in Tamil Nadu. He also mentioned the courage, foresight and historical achievements of Chhatrapati Shivaji Maharaj.

## Ghaziabad: Massive fire in power house near UP Gate, brought under control by 9 fire tenders

Ghaziabad, A

massive fire broke out in a power house near UP Gate in Ghaziabad last night at around 11:55 pm. After the fire broke out, the fire department was informed, but the fire was so intense that additional resources were needed. After hard work, the fire department brought the fire under control. According to the fire department, the fire broke out in a large transformer having a capacity of 160 MVA and 50,000 liters of oil.

As soon as the fire was reported, four fire tenders and a water mist unit were immediately sent to the spot from Vaishali fire station. But by the time the fire tenders arrived, the fire in the transformer had spread rapidly and had become very severe. Seeing the situation, two fire tenders from Kotwali fire station and one from Sahibabad were called to the spot. Also, an additional fire tender was called from Gautam Budh Nagar district. Under the leadership of Chief Fire Officer Ghaziabad, firefighters started the operation to control the fire by spreading hose pipes from both sides and with the help of foam. After several hours of hard work



with the help of about nine fire engines, the fire was completely controlled. It was a matter of relief that despite the magnitude of the fire, there was no loss of life and other nearby transformers were also saved safely. Officials said the cause of the fire was being investigated and additional safety measures would be considered to prevent such incidents in the future.

## Calling wife dark or finding fault with food is not cruelty, Bombay High Court's big decision

Mumbai, In an important decision, the Bombay High Court has overturned a 27-year-old case and acquitted a man of the charge of abetting his wife to suicide. The court said in its observation that taunting a woman for her dark complexion or finding fault with her cooking does not fall under the category of 'cruelty' under Section 498 of the Indian Penal Code. The verdict was pronounced by a single bench of Justice S.M. Modak on an appeal filed by accused Sadashiv Rupanwar, who was convicted by a sessions court in 1998 for abetting to suicide and cruelty following the death of his 22-year-old wife Prema. Five years after marriage, Prema went missing from her in-laws' house in January 1998, after which her body was found in a well. On the complaint of Prema's family, the police registered



a case against her husband Sadashiv and father-in-law for harassment and abetment to death. After the trial, the lower court acquitted the father-in-law, but held her husband Sadashiv guilty and sentenced him to 5 years of imprisonment. Sadashiv, 23 years old at that time, filed an appeal in the High Court against this decision. Justice Modak said that the allegations levelled by the prosecution were limited to the husband taunting his wife on her dark complexion and

threatening to marry another woman. Whereas, the father-in-law was accused of only criticising her cooking. The court said, these can be called normal quarrels arising from marital life. These are domestic quarrels. These cannot be considered so serious that Prema is forced to commit suicide. The court clarified that the prosecution completely failed to establish a direct link between the harassment by the accused and the wife's suicide. The Justice said, there was harassment, but it was not the kind of harassment on the basis of which criminal law can be applied. The High Court criticised the trial court, saying that the learned judge failed to understand the basic principles and elements of the sections relating to cruelty and provocation. With these observations, the court acquitted Sadashiv Rupanwar of all charges and set aside his conviction.

## A high speed BMW hit a scooter rider in Noida, 5 year old girl died

Noida, A five-year-old innocent girl lost her life and two youths riding a scooter were seriously injured in a tragic road accident in Noida Sector-20 police station area. This accident happened when a speeding BMW car hit the scooter. As soon as the news of the accident was received, there was chaos at the spot and the local people immediately informed the police. The police took action in this case and arrested two people travelling in the car. According to the information, Gul Mohammad, who was riding a scooter, was going to show his 5-year-old daughter to the Child PGI Hospital. Another youth Raja was also present with him. As soon as his scooter reached Sector-20 police station area, a speeding BMW car hit from the front. The collision was so severe that all three people riding the scooter fell far away on the road. In this accident, Gul Mohammad's daughter died on the spot, while Gul Mohammad and Raja suffered serious injuries, who



were immediately admitted to the hospital. Taking action, the police have arrested two youths Abhishek and Yash travelling in a BMW car. Earlier, on June 3, an unbridled Thar hit a young man in Sector-53 area of Noida. According to the information, first there was an altercation and fight between some youths, after which the attacker drove the Thar towards the young man at a high speed and hit him hard. The collision was so severe that the young man jumped off the road and fell into the drain. The police had formed a special team to arrest the accused involved in the incident.



## Mann Ki Baat: PM said- After the success of Chandrayaan-3, children's interest in science increased, sought suggestions for 'National Space Day'

New Delhi, Prime Minister Narendra Modi on Sunday addressed the 124th episode of his monthly radio program 'Mann Ki Baat' and congratulated the countrymen on the achievements in the field of science, sports and culture. He said that in recent times, many such works have been done which every Indian should be proud of. Referring to the return of astronaut Shubhanshu Shukla, the Prime Minister said that his safe return to earth filled the whole country with happiness and pride. He said that after the success of Chandrayaan-3, children's interest in science has increased rapidly. Under the Inspire Standard Campaign, so far lakhs of children have been associated with innovation and this number has

doubled after the Chandrayaan-3 mission. Modi said that while the number of space start-ups in the country was less than 50 five years ago, now it has increased to more than 200. He said that 'National Space Day' will be celebrated on 23 August and appealed to the people to